[This question paper contains 4 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 104 **D** **Your Roll No.....**
प्रश्न पत्र का क्रमांक आपका अनुक्रमांक .....

Unique Paper Code : 205182
यूनिक कोड

Name of the Course : **B.Com. (Prog.)**
पाठ्यक्रम का नाम : **बी. ए. (प्रोग्राम)**

Name of the Paper : Hindi Language B [CP 1.4]
प्रश्नपत्र का नाम : हिंदी भाषा 'ख' [CP 1.4]

Semester/Annual : 1st Semester
सेमेस्टर/वार्षिक : प्रथम सेमेस्टर

Time : 3 Hours Maximum Marks : 75
समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

Instructions for Candidates / छात्रों के लिए निर्देश

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
   इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) बिनु गुपाल बैरिनि भई कुँजैं।

तब वै लता लगति तन सीतल, अब भई विषम ज्वाल की पुंजैं ।।

वृथा बहति जमुना, खग बोलत, वृथा कमल-फूलनि अलि गुंजैं।

पवन, पान, घनसार, सजीवन, दधि-सुत किरनि भानु भई भुंजैं ।।

यह ऊधौ कहियो माधौ सौं, मदन मारि कीन्हीं हम लुंजैं।

सूरदास प्रभु तुम्हरे दरस कौ, मग-जोवत अखियाँ भई कुंजैं ।।

अथवा

दलित जन पर करो करुणा।

दीनता पर उतर आए

प्रभु, तुम्हारी शक्ति अरुणा।

हरे तन-मन प्रीति-पावन,

मधुर हो मुख मनोभावन,

सहज चितवन पर तरंगित

हो तुम्हारी किरण तरुणा। (8)

(ख) छोड़ा मैंने पंथ-मतों को तब कहलाया मतवाला,

चली सुरा मेरा पग धोने तोड़ा मैंने जब प्याला,

अब मानी मधुशाला मेरे पीछे-पीछे फिरती हैं

क्या कारण ? अब छोड़ दिया हैं मैंने माना मधुशाला।

उपर्युक्त पंक्तियों के आधार पर कवि और मधुशाला के परस्पर संबंधों पर विचार कीजिए। (8)

2. किसी **एक** कवि का साहित्यिक परिचय दीजिए :

सूरदास **अथवा** नागार्जुन

अथवा

पाठ्यक्रम पर आधारित 'रहीम के दोहे' **या** 'यह उन्मत्त प्रदर्शन' कविता का सार लिखिए। (6)

3. (क) सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

आज कई महीने के बाद उसके भग्न-मातृ हृदय को अपना सर्वस्व अर्पण करके जैसे आनंद की विभूति मिली। उसकी स्वामिनी कल्पना इसी त्याग के लिए, इसी आत्म समर्पण के लिए जैसे कोई मार्ग ढूँढती रहती थी। (अधिकार या लोभ या ममता की वहाँ गंध तक न थी। त्याग ही उसका आनंद और त्याग ही उसका अधिकार है। आज अपना खोया हुआ अधिकार पाकर अपनी सिरजी हुई प्रतिमा पर अपने प्राणों को भेंट करके वह निहाल हो गई।)

अथवा

परमार्थ की उच्चतम भावना के साथ भी नागरिक जीवन में प्रवेश करने पर व्यक्ति को अविश्वास और संदेह के अनेक पैने तीरों का लक्ष्य बनना पड़ता है। नागरिक जीवन का अकारण संदेह, कर्मनिष्ठा को पंगु और उसका लक्ष्यहीन दुराव, जीवन-दर्शन को भ्रांत कर देता है। इसके विपरीत ग्रामीण जीवन की पुस्तक खुली ही मिलती है। कुछ विषम परिस्थितियाँ अपवाद हो सकती हैं; पर जहां जीवन कुछ स्वस्थ है। (8)

(ख) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

यह राजपथ है। इसकी धूल से आप परेशान हैं। बरसात में तो इन सड़कों पर घुटनों तक कीचड़ होते हैं। कम-से-कम प्रत्येक पाँच साल के बाद भी, गरीब जनता के पैसों का पंचमांश ही इन सड़कों पर खर्च किए जाते तो, चाँदी की चमचमाती हुई सड़क के किनारे सोने के माइलस्टोन गड़े होते। किंतु यहां के ठेकेदारों और शासक-वर्ग के गड़बड़ घोटालों को आप नहीं समझ सकेंगे। धूल फाँकते चलिए।

(अ) 'चमचमाती हुई सड़क के किनारे सोने के माइलस्टोन गड़े होते' - आशय स्पष्ट कीजिए।

(आ) 'धूल फाँकना' मुहावरे से आप क्या समझते हैं ? (8)

4. 'करवा का व्रत' कहानी का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'एक दुराशा' निबंध का सार अपने शब्दों में लिखिए। (6)

5. किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए :

(क) राजभाषा (ख) संपर्क भाषा (5)

6. (क) किन्हीं **चार** शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए :

स्वास्थ, आर्शीवाद, प्रर्दशन, परचित, इतिहासिक, संसारिक (2)

(ख) दिए गए वाक्यों में से किन्हीं **तीन** को शुद्ध कीजिए :

(अ) मैंने हस्ताक्षर लिख दिया है।

(आ) उस भयानक दृश्य को देखकर मेरा तो प्राण निकल गया।

(इ) दुर्घटना-स्थल पर अनेकों लोग इकट्ठा हो गया।

(ई) रेडियो आम जनता में प्रचार की सशक्त माध्यम है।

(उ) एक गानों की पुस्तक मँगा कीजिए। (3)

7. कोश को परिभाषित करते हुए उसकी उपयोगिता स्पष्ट कीजिए।

अथवा

बैंकों में हिंदी का प्रयोग की स्थिति पर विचार कीजिए। (5)

8. किन्हीं छः के हिंदी प्रतिरूप लिखिए : (6)

Deduction, Enclosure, Partnership, Teller, Agreement, Collection, Insurance, Ownership

9. भेंटवार्ताकार के गुणों का उल्लेख कीजिए।

अथवा

किसी विद्यालय में अध्यापक पद हेतु आवेदन के लिए स्ववृत्त लिखिए। (5)

10. किसी **एक** विषय पर संक्षिप्त लेख लिखिए :

(क) महिला सुरक्षा

(ख) सांप्रदायिकता

(ग) सिनेमा और संस्कृति (5)